

I. Die Namen der Söhne

| | |
|--|----|
| <i>Die Namen der Söhne</i> | 7 |
| <i>Kontaktaufnahme</i> | 10 |
| <i>Legenda aurea et nigra</i> | 12 |
| <i>Vom barmherzigen Samariter</i> | 13 |
| <i>Füße waschen ich</i> | 15 |
| <i>Beerdigungstag</i> | 17 |
| <i>Der Wirt</i> | 32 |
| <i>Margareta, morgens um sechs</i> | 36 |
| <i>Sommerabend</i> | 43 |
| <i>Tanzen II</i> | 44 |
| <i>Sommerfrische</i> | 47 |
| <i>Eine modische Jacke</i> | 54 |
| <i>Klassentreffen</i> | 57 |
| <i>Bei der Durchsicht alter Briefe</i> | 63 |

II. Am Telefon

| | |
|---|----|
| <i>Herzen sind Überläufer</i> | 67 |
| <i>Krankenbesuch I</i> | 73 |
| <i>Krankenbesuch II</i> | 76 |
| <i>Abgewandt</i> | 78 |
| <i>Zusammengehörigkeitsgefühl</i> | 79 |
| <i>Dampferfahrt</i> | 80 |
| <i>Markus</i> | 82 |
| <i>Aus dem Bus gefallen</i> | 84 |
| <i>Armbanduhr</i> | 85 |

III. Kirschblüten im Rauch

| | |
|--|-----|
| <i>Kirschblüten im Rauch</i> | 91 |
| <i>Das Gnadenbrikett</i> | 92 |
| <i>Das verstehe ich</i> | 93 |
| <i>Es war Sommer II</i> | 95 |
| <i>Selbsterfahrung</i> | 97 |
| <i>Der junge Herr Godeau am Karfreitag</i> | 98 |
| <i>Fundstück</i> | 99 |
| <i>Lesesaal</i> | 101 |
| <i>Märzgedanken</i> | 102 |
| <i>Trost zu Allerseelen</i> | 103 |
| <i>Eine kostbare Büchersammlung</i> | 105 |
| <i>30. Mai</i> | 107 |
| | |
| Autorenhinweis | 109 |
| Quellenhinweis | 110 |